आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्ध बीएचईएल को फ्रंटलाइन युद्धपोतों की मेन गन का आदेश प्राप्त हुआ

नई दिल्ली, 12 फरवरी: भारतीय नौसेना ने 'मेक इन इंडिया' अभियान के अंतर्गत रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और रक्षा उपकरणों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के क्रम में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को अपने सभी युद्धपोतों के लिए मानकीकृत दो सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) की आपूर्ति का आदेश दिया है।

बीएचईएल ने इन गन्स का स्वदेशीकरण किया है और इन गन्स के उत्पादन, स्थापना एवं कमीशनिंग तथा जीवन काल तक सेवा देने के लिए अपने हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट, हरिद्वार में विशेष विनिर्माण एवं निरीक्षण केंद्र की स्थापना की है। भारतीय नौसेना द्वारा सभी प्रमुख युद्धपोतों के लिए इन गन्स के मानकीकरण के परिणामस्वरूप लागत अनुकूलन तथा विशेषज्ञता एवं आत्मनिर्भरता का समेकन हुआ है। बीएचईएल युद्धपोतों की भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए इन गन्स की रेंज बढ़ाने एवं उन्नयन पर भी काम कर रहा है।

बीएचईएल तीन दशक से भी ज्यादा समय से रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र के महत्वपूर्ण उपकरणों और सेवाओं का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है। इसके लिए बीएचईएल रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा योगदान देने के उद्देश्य से विशेष विनिर्माण सुविधाओं और क्षमताओं को पहले ही स्थापित कर चुका है और यह पहल भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक प्रेरक शक्ति का कार्य करेगी।

बीएचईएल ताप विद्युत क्षेत्र के अतिरिक्त, भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के लिए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराता है। गैर-कोयला आधारित व्यापार के विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ ही कंपनी परिवहन, ट्रांसमिशन, नवीकरण, ऊर्जा भंडारण प्रणाली एवं ई-गतिशीलता, जल प्रबंधन, रक्षा एवं एयरोस्पेस, कैप्टिव पावर जनरेशन तथा मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल औद्योगिक उत्पादों के लिए व्यापक समाधान उपलब्ध कराती है।